# UTTARAKHAND GRAMIN BANK
# उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

2023-24

## 12th ANNUAL REPORT
## बारहवीं वार्षिक प्रतिवेदन

# उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

(प्रायोजक: भारतीय स्टेट बैंक)

# वार्षिक प्रतिवेदन

## 2023-24


**प्रधान कार्यालय:–**

18 न्यू रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड पिन : 248 001

फोन: **0135-2710660, 2710661**

ईमेल : info@ugb.org.in

वेबसाईट : www.uttarakhandgraminbank.com

**पुष्कर सिंह धामी**

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून – 248 001
सचिवालय फोन : 0135-2716262
0135-2650433
फैक्स : 0135-2712827
विधान सभा फोन : 0135-2665100
0135-2665497
फैक्स : 0135-2666166
E-mail: cm-ua@nic.in

# संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि **उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक** द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु बैंक का **बारहवाँ वार्षिक प्रतिवेदन** का प्रकाशन किया जा रहा है। **उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक** द्वारा असाधारण समर्पण और रणनीतिक दृष्टि ने न केवल नए मानक स्थापित किए हैं, बल्कि इस राज्य की आर्थिक वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस बैंक की उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता तथा एनआरएलएम क्रेडिट लिंकेज और पीएमएफएमई में राज्य में शीर्ष बैंकों में स्थान प्राप्त करने के साथ ही सामाजिक सुरक्षा सोर्सिंग और दावों में वास्तव में सराहनीय कार्य है। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की उपलब्धियाँ वित्तीय समाधान प्रदान करने और सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में प्रत्येक कार्मिक का बहुमूल्य योगदान होता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि न केवल उत्कृष्टता के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि हमारे क्षेत्र में सामाजिक, आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है। ग्रामीण आजीविका का समर्थन करने पीएमएफएमई के माध्यम से सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाने और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र सुनिश्चित करने में बैंक का निरंतर प्रयास जीवन और समुदायों को बदलने में महत्वपूर्ण सहायक हैं। मुझे आशा है कि भविष्य में भी उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक हमारे राज्य के वित्तीय क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना और आधारशिला के रूप में कार्य करता रहेगा ।बैंक की इस प्रकार की सफलता न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है, बल्कि दूसरों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए भी प्रेरित करती हैं ।

मेरी ओर से **उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक** को वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु बैंक के बारहवें **वार्षिक प्रतिवेदन** के सफल प्रकाशन हेतु सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें ।

(पुष्कर सिंह धामी)

मुख्य महाप्रबंधक
Chief General Manager

नाबार्ड

## सन्देश

मैं उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट के सफल प्रकाशन पर अपनी हार्दिक बधाई देता हूँ. इस तरह की पहल बैंकिंग क्षेत्र के अन्दर ज्ञान-साझांकरण को बढावा देने और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय हैं और उद्योग में दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करते हैं.

वित्त वर्ष 2023-24 में बैंक ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त की है, विशेष रूप से CRAR (capital to risk weighted asset ratio), शुद्ध लाभ वृद्धि और मोबाइल वैन के उपयोग में उल्लेखनीय सुधार किया है इसके अतिरिक्त कृषि ऋण प्रवाह में भी वृद्धि की है द्य नुक्कड़ नाटक, VLP/ FLC (village level programme/ financial literacy camps) और विकसित भारत अभियान में भी आपकी भूमिका प्रशंसनीय है.

मैं, उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की स्टाफ जुड़ाव गतिविधियों, अभिनव ग्राहक जुडाव कार्यक्रमों और विभिन्न सांस्कृतिक समारोहों के माध्यम से स्थानीय समुदाय के साथ सार्थक संबंधों को बढावा देने में बैंक द्वारा किये गए उत्कृष्ट प्रयासों की भी सराहना करता हूँ. इन क्षेत्रों को मजबूत करने में आपका सक्रिय दृष्टिकोण बैंकिंग उद्योग के लिए एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत करता है.

इस तरह की पहल न केवल परिचालन दक्षता को बढाती है बल्कि समुदाय के समर्थन और विकास की आधारशिला के रूप में बैंक की भूमिका को भी मजबूत करती है. आपका योगदान वास्तव में प्रेरणादायक है और सेवा उत्कृष्टता के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

एक बार फिर, उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई. मैं भविष्य में आपके प्रतिष्ठित संस्थान से और अधिक सफलताएँ देखने की आशा करता हूँ और मैं आपको भविष्य के सभी प्रयासों में इस गति को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ.

सादर,

(विनोद कुमार बिष्ट)
मुख्य महाप्रबन्धक
नाबार्ड उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
National Bank for Agriculture and Rural Development

उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय: 42, आई.टी. पार्क, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून- 248013 फोन:0135-2607741 फैक्स: 0135-2607743 ई मेल : dehradun@nabard.org
Uttarakhand Regional Office: 42,IT Park, Sahastradhara Road, Dehradun- 248013 • Ph.No.: 0135-2607741 • Fax No.: 0135-2607743 • Email: dehradun@nabard.org

प्रिय उत्तराखंड ग्रामीण बैंक टीम,

इस शुभ अवसर पर, मैं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ। मुझे प्रसन्नता हो रही है कि उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु बैंक का बारहवाँ वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित किया जा रहा है।

आपको और आपकी पूरी टीम को मैं वित्त वर्ष 2023–24 में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं। एनपीए को कम करने, सर्वोच्च लाभ अर्जित करने, ऋण खण्ड में वृद्धि करने, इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं को बढ़ाने, तकनीकी बुनियादी ढांचे को उन्नत करने, हस्तशिल्प एवम सामाजिक सुरक्षा योजनओं के क्षेत्र में आपकी उपलब्धियां वास्तव में सराहनीय हैं।

आपके समर्पण और कडी मेहनत ने बैंकिंग उद्योग में एक बेंचमार्क स्थापित किया है, जो उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सफलता की इस गति को जारी रखते हुए हम भविष्य में और भी बडे मील के पत्थर स्थापित करने की आशा करते हैं। साथ मिलकर, हम एक मजबूत, अधिक संपन्न बैंकिंग क्षेत्र बना सकते हैं जो हमारे ग्राहकों को नवाचार और विश्वसनीयता के साथ सेवा प्रदान करता है।

डी. मुन्शी

देबांगशु मुंशी
मुख्य महाप्रबन्धक (ए.एण्ड.एस)
भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र
मुम्बई

yono SBI
bank.sbi
+91 22 2224 0491
+91 22 2282 4490
cgm.ans@sbi.co.in

सहयोगी आणि अनुषंगी विभाग
कॉरपोरेट केंद्र
4था मजला, स्टेट बँक भवन
मादाम कामा रोड
मुंबई 400021 - भारत

सहयोगी एवं अनुषंगी विभाग
कारपोरेट केन्द्र
4थी मंजिल, स्टेट बैंक भवन
मादाम कामा मार्ग
मुंबई 400021 - भारत

Associates & Subsidiaries Department
Corporate Centre
4th Floor, State Bank Bhavan
Madame Cama Road
Mumbai 400021 - India

# CONTENT


01 निदेशक मण्डल vi

02 Our Mentors vii

03 उच्च प्रबंधन viii

04 बैंक का विजन और मिशन xi

05 बैंक की प्रगतिः एक दृष्टि में 01

06 निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन 04

07 Performance of the Bank at a Glance 32

08 Board of Directors Report 34

09 List of Auditors 60

10 Auditors Report 61

11 Balance Sheet 64

12 Accounting Policies & Notes to Accounts 81

13 लेखा प्रणाली और लेखों से संबंधित टिप्पणियाँ 97

# निदेशक मण्डल

**श्री हरि हर पटनायक**

अध्यक्ष

**श्री अभय गुप्ता**

सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक,
देहरादून

**श्री निर्मल कुमार**

उप–महाप्रबंधक, नाबार्ड,
देहरादून

**श्री राजीव कु. वर्मा**

उपमहाप्रबंधक, (ए एण्ड एस)
भारतीय स्टेट बैंक, कार्पोरेट ऑफिस
मुम्बई

**श्री अमरेन्द्र कु. सुमन**

उप–महाप्रबंधक (बी एण्ड ओ)
प्रशासनिक कार्यालय–3,
भारतीय स्टेट बैंक, देहरादून

**श्री गंगा प्रसाद**

अपर सचिव (वित्त)
उत्तराखण्ड सरकार

**श्री आनंद स्वरूप**

अपर सचिव (ग्राम्य विकास),
उत्तराखण्ड सरकार

# Our Mentors

Shri Dinesh Kumar Khara
Chairman
State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

Shri Ashwini Kumar Tewari
Managing Director
Corporate Banking (CAG & CCG) & Subsidiaries
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Shri Debangshu Munshi
CGM (Associates & Subsidiaries)
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Shri V. Sivakumar
General Manager (RRB)
SBI, Corporate Centre, Mumbai

# Our Regulators

Shri Vinod Kumar Bist
Chief General Manager
NABARD, Regional Office, Dehradun

# उच्च प्रबंधन

**श्री हरि हर पटनायक**
अध्यक्ष

**श्री ईश्वर कुमार**
महाप्रबंधक

**श्रीमती अमीता रतूरी**
महाप्रबंधक

**श्री राजीव प्रकाश**
महाप्रबंधक

**श्री अनिल डोभाल**
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय प्रथम, देहरादून

**श्री प्रवीण कु. गोयल**
क्षेत्रीय प्रबंधक,
क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय, पौड़ी

**श्री दीपक शर्मा**
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय तृतीय, पिथौरागढ़

**श्री कृष्ण मोहन शर्मा**
क्षेत्रीय प्रबंधक,
क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ, हल्द्वानी

**श्री कृष्ण कुमार**
क्षेत्रीय प्रबंधक,
क्षेत्रीय कार्यालय पंचम, अल्मोडा

# अध्यक्ष की कलम से

प्रिय साथियों,

मुझे वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है, जिसमें हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों और सफलताओं को दर्शाया गया है। इस पूरे वर्ष में, हमारे बैंक ने चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिदृश्यों से निपटने में असाधारण प्रयास और दृढ संकल्प का प्रदर्शन किया है। अनिश्चितताओं के बावजूद, हमने न केवल बाजार में अपनी स्थिति बनाए रखी है, बल्कि इसे मजबूत भी किया है। यह सफलता हमारे बैंक परिवार के प्रत्येक सदस्य के समर्पण और कडी मेहनत का प्रमाण है। वित्तीय रूप से, हमने राजस्व और लाभप्रदता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करते हुए उम्मीदों को पार कर लिया है। हमारी विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन रणनीतियों, साथ ही अभिनव उत्पाद पेशकशों ने हमें सतत विकास सुनिश्चित करते हुए अपने ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने की अनुमति दी है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटूट रही है। हमने अपने सेवा वितरण चैनलों को बेहतर बनाना जारी रखा है, जिससे हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए सहज और सुविधाजनक बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान बैंक द्वारा समस्त क्षेत्रो में उल्लेखनीय कार्य किया गया है, जिसमें से मुख्य बिन्दु निम्नवत है:-

- ऋण प्रस्तावों के त्वरित निवारण एवं निस्तारण में एकरूपता लाने के दृष्तिगत रूड्की, दुर्गापुर, रुद्रपुर एवम पिथौरागढ़ में 4 नए ऋण प्रसंस्करण सेल (सी. पी. सी) की स्थापना की गयी है।
- एन.पी.ए खातों के व्यापक अनुश्रवण हेतु हल्द्वानी में तनाव ग्रस्त आस्ति वसूली शाखा (सार्ब) की स्थापना की गयी है।
- पर्वतीय जिलो पिथौरागढ़ एवं चम्पावत में दो नई शाखाये बिण एवं पाटि खोली गयी हैं।
- दिनांक 31.03.2024 की तिथि पर बैंक का व्यवसाय 13 प्रतिशत की वृद्धि दर से रु 11581.26 करोड़ रहा, जिसमे जमा रु 7833.62 करोड़ (10.06 प्रतिशत वृद्धि) तथा ऋण रु 3747.64 करोड़ (19.06 प्रतिशत वृद्धि) है।
- बैंक का कुल कृषि ऋण 27.02 % की वृद्धि से बढ़ कर रु 558 करोड़ हो गया है।
- 7565 स्वयं सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज कर रु 181.39 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया गया है।
- अपनी दक्षता और सेवा वितरण प्रणाली को बढाने में कारगर इन्टरनेट बैंकिंग लेन-देन अधिकार आर.बी.आई से सफलतापूर्वक प्राप्त किये गए।
- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में सामाजिक सुरक्षा योजनाओ जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 14.33 % की वृद्धि कर 83144 नामांकन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 36.14 % की वृद्धि से 161339 नामांकन तथा अटल पेंशन योजना में 6.63 % की वृद्धि दर से 30605 नये नामांकन कर राज्य में उल्लेखनीय कार्य किया गया है।
- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में सामाजिक सुरक्षा योजनाओ जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में कुल 169 लाभार्थियों को 3.38 करोड़ दावा राशि एवं प्रधानमंत्री

सुरक्षा बीमा योजना में कुल 56 लाभार्थियों को 1.10 करोड़ दावा राशि का भुगतान अदा किया गया।

- बैंक के साथ 206 नये सी.एस.पी जुड़ने से कुल सी.एस.पी की संख्या 624 हो गई है साथ ही 3 नए कॉरपोरेट बी.सी. मिलकर बैंक में कुल कॉरपोरेट बी.सी. की संख्या 6 हो गयी है।
- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में 29 बैंक सखियों को बी.सी. के रूप में जोड़ा गया।
- बैंक द्वारा सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे योग दिवस (डेकाथालान के सहयोग से), रक्षा बंधन, करवाचौथ, स्थापना दिवस, हस्तशिल्प मेला, ग्राहक होली मिलन, सामुदायिक क्षेत्रो की सफाई आदि।
- आवासीय प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 795 कर्मचारियों (590 अधिकारी और 205 कार्यालय सहायक) को प्रशिक्षण दिया गया।
- टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्मचारी सहभागिता गतिविधियो जैसे कि वाल ऑफ फेम, क्रिकेट टूर्नामेंट, यूजीबी सांस्कृतिक उत्सव, कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

वित्तीय प्रदर्शन से परे, हमने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी में भी काफी प्रगति की है, जिससे हम जिन समुदायों की सेवा करते हैं, उनके लिए सकारात्मक योगदान दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरणीय स्थिरता में हमारी पहलों ने कई लोगों के जीवन पर सार्थक प्रभाव डाला है। आगे देखते हुए, हम भविष्य के बारे में आशावादी हैं। जैसे-जैसे हम बैंकिंग उद्योग की जटिलताओं को समझते हैं, हम नवाचार, अखंडता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ रहते हैं। साथ मिलकर, हम अपनी उपलब्धियों को आगे बढ़ाते रहेंगे और उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेंगे। मैं बैंक के प्रत्येक सदस्य को उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता के लिए अपना आभार व्यक्त करता हूँ। आपका योगदान हमारी सफलता में महत्वपूर्ण है। आपके निरंतर समर्थन और समर्पण के लिए आप सभी का धन्यवाद। आइए आने वाले वर्षों में और भी बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रयास करें।

शुभकामनाओ एवं आभार सहित !

**(हरि हर पटनायक)**

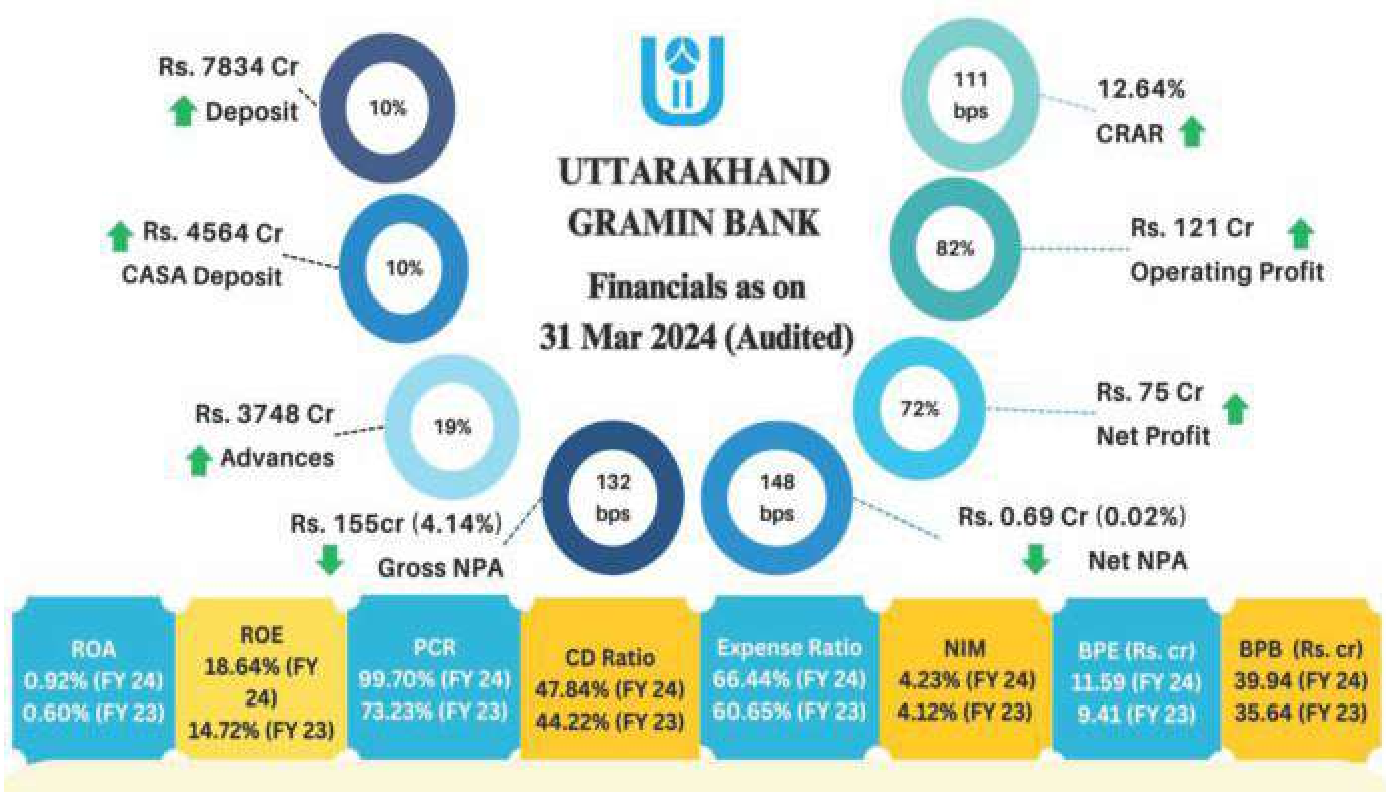

## बैंक का दृष्टिकोण

कार्य में उत्कृष्टता एवं पारदर्शिता, ग्राहकोन्मुखी सेवा, क्षेत्र में विकास हेतु नवोन्मेषी अवधारणाओं के साथ निरन्तर लाभार्जन करते हुए ''उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक'' को उत्तराखण्ड राज्य का ''उत्तम बैंक'' बनाना।

## लक्ष्य

- बैंक में सभी प्रकार की तकनीकी आधारित बैंकिंग सेवायें उपलब्ध कराना।
- राज्य के पर्यटन एवं औद्योगिक विकास में सहभागिता।
- शाखाओं के विस्तृत नेटवर्क एवं वित्तीय समावेशन के माध्यम से सभी परिवारों को बैंक से जोड़ना।
- सेवा क्षेत्र के ग्रामों का अंगीकरण एवं समस्त किसानों को क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण युवा शक्ति को रोजगार के अवसर प्रदान कर, उत्तराखण्ड में बैंक की प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराना।

## Vision

To make "Uttarakhand Gramin Bank" the "Uttam Bank" of Uttarakhand state by providing customer oriented services, maintaining transparency & excellence in banking, development oriented approach with innovative concepts and by earning continuous profit.

## Mission

- To provide all kinds of technology based Banking Services.
- To contribute in the development of the tourism and industrial development of the state.
- To link every household with the bank through Financial Inclusion and its vast Branch network.
- Adoption of villages in the service area and KCC to all farmers.
- To establish its incredible presence in the Uttarakhand state by providing employment opportunities to rural youth.

# उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

बैंक की प्रगति : एक दृष्टि में

(राशि हजार ₹ में)

| क्र. सं. | विवरण | 31.03.2024 | 31.03.2023 | 31.03.2022 | 31.03.2021 |
|---|---|---|---|---|---|
| I | प्रमुख प्रगति सूचकांक : | | | | |
| 1 | कार्यक्षेत्र में जिलों की संख्या | 13 | 13 | 13 | 13 |
| 2 | शाखाओं की संख्या | 290 | 288 | 286 | 286 |
| | (अ) ग्रामीण | 219 | 217 | 216 | 216 |
| | (ब) अर्द्धशहरी | 41 | 41 | 41 | 41 |
| | (स) शहरी | 30 | 30 | 29 | 29 |
| | (द) महानगरीय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | कुल स्टाफ (प्रायोजक बैंक स्टाफ के अतिरिक्त) जिसमें से | 999 | 1087 | 1049 | 1057 |
| | अधिकारी | 627 | 643 | 613 | 601 |
| 4 | जमा राशियां | 78336215 | 71177595 | 64855343 | 60050117 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 10.06% | 9.75% | 8.00% | 9.79% |
| 5 | उधार अवशेष | 1909802 | 1002335 | 854324 | 1104273 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 90.54% | 17.32% | -22.63% | -11.64% |
| 6 | सकल ऋण एवं अग्रिम अवशेष | 37476356 | 31473983 | 27908147 | 25962925 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 19.07% | 12.78% | 7.49% | 6.94% |
| | 6 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण | 21337896 | 18706420 | 17498102 | 16677399 |
| | 6 में से अनु0 जाति/जनजाति ऋण | 3437340 | 3219514 | 3093099 | 3106364 |
| | 6 में से लघु सीमान्त कृषक खेतिहर मजदूरों को ऋण | 4307009 | 3225956 | 2968356 | 3036000 |
| | 6 में से अल्पसंख्यकों को ऋण | 1277169 | 1093699 | 1042270 | 1046099 |
| 7 | ऋण जमा अनुपात | 47.84% | 44.22% | 42.96% | 43.24% |
| 8 | 1. निवेश अवशेष (सावधि जमा रहित) | 37224150 | 34541482 | 32783267 | 28994078 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 7.77% | 5.36% | 13.07% | 15.15% |
| | i. सांविधिक तरल निधि निवेश | 36205109 | 33795736 | 32233626 | 28405478 |
| | ii. गैर सांविधिक तरल निधि निवेश (सावधि जमा रहित) | 1019041 | 745746 | 549641 | 588600 |
| | बैंकों के साथ चालू खाता अवशेष | 501667 | 321364 | 316836 | 284498 |
| | बैंकों के साथ सावधि जमा अवशेष | 8579572 | 7833889 | 6803484 | 7302253 |
| II | औसत : | | | | |
| 1 | औसत जमा राशियां | 73992220 | 67129865 | 61675287 | 57344873 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 10.22% | 8.84% | 7.55% | 11.22% |
| 2 | औसत उधार | 1225169 | 938763 | 987152 | 1162548 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 30.51% | -4.90% | -15.09% | -13.45% |
| 3 | औसत ऋण एवं अग्रिम अवशेष | 33307744 | 28453714 | 25937773 | 24474391 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 17.06% | 9.70% | 5.98% | 6.19% |
| 4 | औसत निवेश (सावधि जमा रहित) | 35526696 | 33665564 | 31815008 | 28037448 |
| | वृद्धि प्रतिशत | 5.53% | 5.82% | 13.47% | 15.76% |

(राशि हजार ₹ में)

| क्र. सं. | विवरण | 31.03.2024 | 31.03.2023 | 31.03.2022 | 31.03.2021 |
|---|---|---|---|---|---|
| | औसत गैर सांविधिक तरल विधि निवेश | 34590263 | 33063133 | 31110752 | 27099414 |
| | औसत गैर सांविधिक तरल विधि निवेश (सावधि जमा रहित) | 936433 | 602431 | 704256 | 938034 |
| | औसत निवेश का औसतन जमाओं में प्रतिशत | 55.44% | 50.15% | 51.58% | 48.89% |
| 5 | औसत कार्यशील पूंजी | 81379916 | 72876092 | 66018286 | 62158136 |
| III | ऋण वितरण : | | | | |
| 1 | वर्ष के दौरान कुल ऋण वितरण | 24684695 | 20131676 | 16293456 | 15147853 |
| | 1 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण | 12022893 | 9235883 | 7868931 | 7934742 |
| | 1 में से गैर लक्ष्य समूह को ऋण | 12661802 | 10895793 | 8424525 | 7213111 |
| | 1 में से अनु0 जाति/जनजाति को ऋण | 1887363 | 1789444 | 1519253 | 1362687 |
| | 1 में से लघु सीमान्त कृषकों/खेतिहर मजदूरों को ऋण | 3206844 | 2180811 | 1688925 | 1785389 |
| IV | उत्पादकता : | | | | |
| 1 | प्रति शाखा | 399354 | 356429 | 324726 | 300745 |
| 2 | प्रतिकर्मी | 115928 | 94089 | 88114 | 80992 |
| V | वसूली प्रगति : | | | | |
| | सकल (30 जून 2023 तक) | | | | |
| | मांग | 9819254 | 8099855 | 7193591 | 5530774 |
| | वसूली प्रगति : | 8304407 | 6554416 | 5703264 | 4457172 |
| | अतिदेय | 1514848 | 1545439 | 1490327 | 1073602 |
| | वसूली प्रतिशत | 84.57% | 80.92% | 79.28% | 80.59% |
| 1 | कृषि क्षेत्र | | | | |
| | मांग | 1823386 | 1550027 | 1653010 | 1502920 |
| | वसूली | 1118495 | 870471 | 1020473 | 927535 |
| | अतिदेय | 704891 | 679556 | 632537 | 575385 |
| | वसूली प्रतिशत | 61.34% | 56.16% | 61.73% | 61.72% |
| 2 | गैर कृषि क्षेत्र | | | | |
| | मांग | 7995868 | 6549828 | 5540581 | 4027854 |
| | वसूली | 7185912 | 5683945 | 4682791 | 3529637 |
| | अतिदेय | 809957 | 865883 | 857790 | 498217 |
| | वसूली प्रतिशत | 89.87% | 86.78% | 84.52% | 87.63% |
| VI | आस्ति वर्गीकरण : | | | | |
| 1 | मानक आस्ति | 35924394 | 29755053 | 25896503 | 23924242 |
| | अवमानक आस्ति | 258894 | 262914 | 453726 | 672689 |
| | संदिग्ध आस्ति | 1257163 | 1436496 | 1545494 | 1350398 |
| | हानिपद्र आस्ति | 35905 | 19520 | 12424 | 15596 |
| | योग | 37476356 | 31473983 | 27908147 | 25962925 |
| 2 | मानक आस्तियों को सकल ऋण व अग्रिम शेष में प्रतिशत | 95.86% | 94.54% | 92.79% | 92.15% |

(राशि हजार ₹ में)

| क्र. सं. | विवरण | 31.03.2024 | 31.03.2023 | 31.03.2022 | 31.03.2021 |
|---|---|---|---|---|---|
| | सकल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में | 4.14% | 5.46% | 7.21% | 7.85% |
| | निवल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में | 0.02% | 1.50% | 3.04% | 3.79% |
| VII | लाभप्रदता विश्लेषण | | | | |
| 1 | प्रदत्त ब्याज | | | | |
| | जमा राशियों पर | 3108918 | 2575741 | 2391588 | 2475073 |
| | उधार पर | 71153 | 43198 | 44472 | 54312 |
| 2 | वेतन | 1686027 | 1360642 | 1460429 | 1096744 |
| 3 | पेंशन भुगतान तथा प्रावधान | 50161 | 653242 | 666621 | 680000 |
| 4 | अन्य परिचालन व्यय | 650299 | 664724 | 577011 | 526088 |
| 5 | वर्ष के दौरान प्रावधान | | | | |
| | अलाभकारी आस्तियों के विरूद्ध | 253 | 167441 | 110072 | 226969 |
| | अन्य प्रावधान | 328057 | 54134 | 59749 | -1035 |
| 6 | अर्जित ब्याज | | | | |
| | ऋण एवं अग्रिमों पर | 3164460 | 2736771 | 2380444 | 2275071 |
| | प्रायोजक बैंक/अन्य बैंकों में सावधि जमा/चालू खाते पर | 614325 | 430977 | 286252 | 438083 |
| | सांविधिक चल निधि निवेश पर | 2547602 | 2402146 | 2270817 | 2001478 |
| | गैर सांविधिक चलनिधि निवेश पर | 59276 | 45619 | 41338 | 61799 |
| 7 | विविध आय | 386447 | 343114 | 401459 | 297364 |
| 8 | लाभ/हानि | | | | |
| | कर पूर्व लाभ | 877243 | 439505 | 70369 | 15644 |
| | कर पश्चात् लाभ | 752555 | 437796 | 68196 | 15714 |
| VIII | अन्य सूचनाएं : | | | | |
| 1 | अंश पूंजी जमा प्राप्त | 4 | 0 | 0 | 0 |
| 2 | डीआईसीजीसी | | | | |
| | संचयी दावे निष्पादित | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | दावा प्राप्त परन्तु लम्बित | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | दावा प्राप्त परन्तु निकाय दर लम्बित | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | जमा हेतु प्रावधान | | | | |
| | अलाभकारी आस्तियों के विरूद्ध | 1162417 | 1258772 | 1186766 | 1084928 |
| | परिसम्पित्तियों के विरूद्ध अन्य प्रावधान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | अमान्य आय | | | | |
| | वर्ष के दौरान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | संचित जमा | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5 | बट्टे खाते में डाले गए ऋण | | | | |
| | खातों की संख्या | 993 | 1164 | 67 | 704 |
| | राशि (कल्पित ब्याज छांड़कर) | 100493 | 104264 | 8396 | 110298 |
| 6 | संचित हानि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 7 | प्रारक्षित निधि | 2201321 | 1448766 | 1010970 | 942775 |

# वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु बैंक के निदेशक मण्डल की रिपोर्ट

समस्त निदेशक मण्डल अपार प्रसन्नता एवं हर्ष के साथ 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित विवरण के साथ बैंक के व्यवसाय और संचालन पर बारहवीं रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं।

## भारतीय अर्थव्यवस्था का अवलोकन

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी दूसरे अग्रिम अनुमान (SAE) ने 2023-24 में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रखी है। मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक दिनांक 03, से 05 अप्रैल, 2024 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 7.0 प्रतिशत अनुमानित है। मार्च 2024 के महीने में परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (PMI) विनिर्माण 59.1 और PMI सेवाएँ 61.2 रहा, जो मजबूत मांग और अर्थव्यवस्था के सतत विस्तार को दर्शाती है।

भारत में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के अनुसार मुद्रास्फीति (Inflation) मार्च 2024 में घटकर 4.85% हो गई। मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक दिनांक 03, से 05 अप्रैल, 2024 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु CPI मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत अनुमानित है जोकि पहली तिमाही में 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चतुर्थ तिमाही में 4.5 प्रतिशत सम्भावित है।

## उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था

वित्तीय वर्ष 2023-24 में उत्तराखंड की जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) की विकास दर 7.58 प्रतिशत अनुमानित है। 2023-24 में राज्यों की अर्थव्यवस्था में लगभग 9.99%, 46.84% और 43.17% योगदान क्रमशः प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र द्वारा किया गया है। (स्रोतः उत्तराखंड सरकार का बजट 2024-25)

उत्तराखंड अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें विशाल हिमालयी पर्वत, शान्तिपूर्ण पहाड़ी स्थल और निर्मल नदियाँ शामिल हैं। यह अपनी आध्यात्मिक महत्वता के लिए भी जाना जाता है, जिसमें चार धाम (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री), हेमकुण्ड साहिब, ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड पर्यटकों के बीच मनोरंजन और रोमांच के लिए भी प्रसिद्ध है, जैसे कि ट्रेकिंग, राफ्टिंग और स्कीइंग। इसे आध्यात्मिक आश्र्य और आउटडोर एडवेंचर्स की खोज करने वाले पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य माना जाता है।

उत्तराखंड देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों और कॉलेजों के लिये भी जाना जाता है जैसे दून स्कूल, वेल्हम्स, वुडस्टॉक, IIT (रुड़की), IIM (काशीपुर), AIIMS (ऋषिकेश), CIPET (देहरादून), IHM (देहरादून), योग संस्थान और 10 से अधिक आयुर्वेद कॉलेज। राज्य राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में 87.6% साक्षरता दर के साथ तीसरे स्थान पर है।

उत्तराखंड द्वारा दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन 2023 की मेजबानी देहरादून में दिसंबर 2023 में की गई, जिसमें सरकार की 30 से अधिक निवेशक अनुकूल नीतियाँ राज्य में और निवेश आकर्षित करने हेतु प्रस्तुत की गई। लगभग 5,000 प्रतिनिधियों (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय) ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

राज्य देश में अपने व्यापार अनुकूल वातावरण, अनुकूल निवेश नीतियों और सरलीकृत नियमों के कारण विनिर्माण और सेवा उद्योग के लिए विशेष रूप से पर्यटन, शिक्षा, वेलनेस, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य प्रसंस्करण में प्रमुख निवेश स्थलों में से एक के रूप में उभरा है। (स्रोतः IPFC, उद्योग निदेशालय, औद्योगिक क्षेत्र, देहरादून)।

देहरादून को स्मार्ट सिटी के रूप में पुनर्निर्मित किया जा रहा है और हल्द्वानी को स्मार्ट सिटी में बदलने के लिए रु. 2200 करोड़ की पर्याप्त राशि आवंटित की गई है।

## उत्तराखंड में बैंकिंग उद्योग का अवलोकन

राज्य के सभी बैंकों में कुल जमा राशि दिनांक 31.03.2024 की तिथि पर 12.20% YoY वृद्धि के साथ रु. 217677.73 करोड़ है तथा कुल अग्रिम 18.77% YoY वृद्धि के साथ रु. 113348.13 करोड़ (आरआईडीएफ को छोड़कर) है। राज्य के सभी बैंकों का सकल एनपीए दिनांक 31.03.2024 को 4.23% है।

दिनांक 31.03.2024 की तिथि पर ऋण जमा अनुपात 53.56% तथा आरआईडीएफ को छोड़कर ऋण जमा अनुपात 52.07% है। दिनांक 31.12.2023 तक कुल ऋण में कृषि ऋण का योगदान 13.90% और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण का योगदान 49.39% है। (स्रोतः एसएलबीसी बुक)

## नई शाखा / कार्यालय

उत्तराखंड के समस्त 13 जिलों में बैंक की 290 शाखाएँ और 624 व्यवसाय प्रतिनिधि कार्यरत है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान बैंक ने दो नई शाखाएं, पाँच सी.पी.सी., एक सार्ब शाखा और एक क्षेत्रीय कार्यालय खोलें हैं जिनका विवरण निम्नवत है:

| क्रम | वर्ग | शाखा कोड़ | शाखा का नाम | शाखा खोलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | क्षेत्रीय कार्यालय | 500 | क्षेत्रीय कार्यालय, अल्मोड़ा | 01.04.2023 |
| 2 | सीपीसी | 902 | सीपीसी हल्द्वानी | 01.04.2023 |
| 3 | सीपीसी | 903 | सीपीसी रूडकी | 01.12.2023 |
| 4 | सीपीसी | 904 | सीपीसी दुर्गापुर | 01.12.2023 |
| 5 | सीपीसी | 905 | सीपीसी पिथौरागढ़ | 01.12.2023 |
| 6 | सीपीसी | 906 | सीपीसी रूद्रपुर | 01.12.2023 |
| 7 | सार्ब | 952 | सार्ब हल्द्वानी | 01.12.2023 |
| 8 | शाखा | 351 | बिण, पिथौरागढ़ | 04.03.2024 |
| 9 | शाखा | 309 | पाटी, चम्पावत | 04.03.2024 |

श्री हरि हर पटनायक, अध्यक्ष द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, अल्मोड़ा का उद्घाटन किया गया

नई शाखा बिण

नई शाखा पाटी

## व्यवसाय समीक्षा

बैंक का व्यवसाय दिनांक 31 मार्च 2024 को 12.82% वृद्धि दर के साथ रु0 11581.26 करोड़ रहा, जोकि दिनांक 31 मार्च 2023 को रु. 10265.16 करोड़ था।

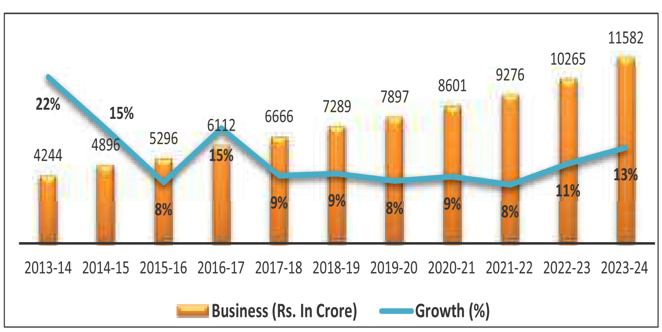


## लाभ विश्लेषण

वित्तीय वर्ष में रु0 30.00 करोड़ का वेतन वृद्धि प्रावधान करने के पश्चात रु0 75.26 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया गया है।

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान शुद्ध लाभ में 71.90% की वृद्धि और परिचालन लाभ में 82.36% की वृद्धि दर्ज की गई।

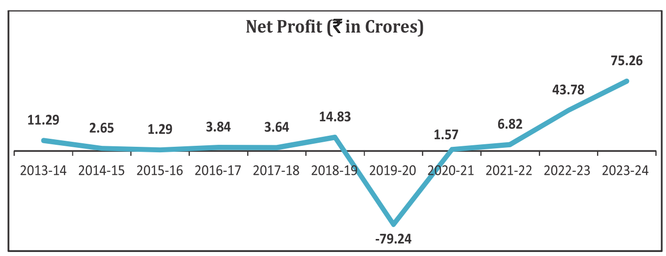


## आय-व्यय

(रू. करोड)

| विवरण | 2022-23 | 2023-24 | वृद्धि % |
|---|---|---|---|
| ब्याज आय | 561.55 | 638.57 | 13.72% |
| ब्याज व्यय | 261.89 | 318.01 | 21.43% |
| गैर ब्याज आय | 34.31 | 38.64 | 12.62% |
| गैर ब्याज व्यय | 267.86 | 238.65 | -10.90% |
| परिचालन लाभ | 66.11 | 120.56 | 82.36% |
| प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय | 22.16 | 32.83 | 48.15% |
| कर पूर्व लाभ | 43.95 | 87.73 | 99.61% |
| आयकर | 0.17 | 12.50 | |
| स्थगित किए गए कर तथा गत वर्ष के समायोजन (आधिक्य) | 0.00 | 0.03 | |
| शुद्ध लाभ | 43.78 | 75.26 | 71.90% |

## शुद्ध ब्याज आय

वित्तीय वर्ष की अवधि में कुल ब्याज आय रु. 638.57 करोड़ हुई तथा ब्याज व्यय रु. 318.01 करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में शुद्ध ब्याज आय रू. 320.56 करोड़ हुई जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान हुई शुद्ध ब्याज आय रू. 299.96 करोड के सापेक्ष रू. 20.60 करोड़ अधिक है।

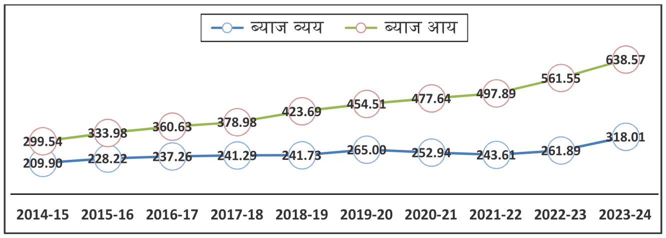


## ब्याज व्यय

- जमा राशियों पर दिया गया ब्याज दिनांक 31.03.2023 को दिए गए ब्याज रू० 257.57 करोड़ से रू० 53.32 करोड़ बढ़कर दिनांक 31.03.2024 को रू० 310.89 करोड़ हो गया। जमा राशियों पर औसत लागत 36 बीपीएस की वृद्धि के साथ दिनांक 31.03.2023 के सापेक्ष 3.84% से बढ़कर दिनांक 31.03.2024 को 4.20% पर हो गई।
- उधार की औसत लागत 2022-23 के 4.59% से बढ़कर 2023-24 को 5.81% पर आ गई है। बैंक द्वारा नाबार्ड तथा अन्य संस्थाओं से लिए गए पुनर्वित्त पर वित्तीय वर्ष 2022-23 में रू० 4.32 करोड के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2023-24 में रू० 5.81 करोड़ ब्याज का भुगतान किया गया।

(राशि करोड़ में)

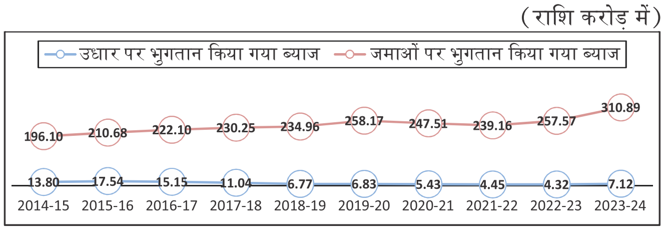


## परिचालन व्यय

वित्तीय वर्ष 2023-24 में हुआ परिचालन व्यय वित्तीय वर्ष 2022-23 में हुए रू० 267.86 करोड़ से घटकर रू० 238.65 करोड़ हो गया है (रू० 29.21 करोड़, 10.91 प्रतिशत की गिरावट)। परिचालन व्यय में रु० 5.02 करोड़ का पेंशन फण्ड हेतु भुगतान/प्रावधान तथा रु० 30.00 करोड़ का वेतन वृद्धि हेतु प्रावधान शामिल है।

## अन्य आय

अन्य आय में 2023-24 के दौरान रु० 4.33 करोड़ (12.63%) की वृद्धि हुई और यह रु० 34.31 करोड़ से बढ़कर रु० 38.65 करोड़ हो गई। बैंक ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान निवेश की बिक्री पर लाभ के माध्यम से रु० 3.33 करोड़ कमाए हैं। गैर-ब्याज आय का कुल आय में हिस्सा वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 5.76% से घटकर वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 5.71% हो गया है।

## ब्याज आय

- वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान ब्याज आय रू० 77.02 करोड़ (13.71%) की वृद्धि के साथ रू० 638.57 करोड़ रही, जोकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में रू० 561.55 करोड़ थी।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में बैंक द्वारा ऋण तथा अग्रिम पर रू० 42.77 करोड़ (15.63%) की वृद्धि के साथ रू० 316.45 करोड़ की ब्याज आय अर्जित की गयी है जोकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के रू० 273.68 करोड़ थी।
- निवेश और अन्य बैंकों में सावधि जमा से प्राप्त ब्याज आय रू० 34.25 करोड़ की वृद्धि के साथ रू० 322.12 करोड़ रही, जोकि विगत वित्तीय वर्ष में रू० 287.87 करोड़ थी।

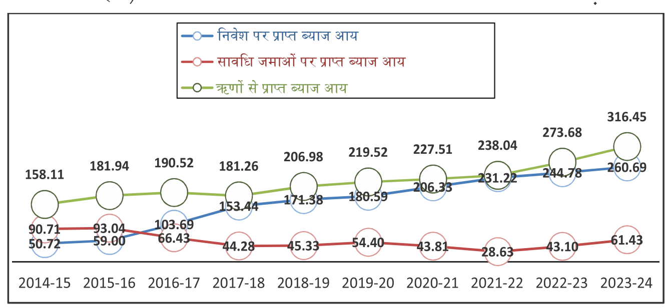


## एन.पी.ए के लिए प्रावधान

- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान अनर्जक अस्तियों हेतु रू० 0.03 करोड़ का प्रावधान तथा मानक अस्तियों हेतु रू० 2.02 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

(राशि करोड़ में)

| संपत्ति | 2022-23 | | 2023-24 | |
|---|---|---|---|---|
| | बकाया | प्रावधान | बकाया | प्रावधान |
| मानक | 2975.51 | 10.19 | 3592.44 | 12.21 |
| अवमानक | 26.29 | 4.36 | 25.89 | 4.08 |
| संदिग्ध | 143.65 | 119.57 | 125.72 | 108.57 |
| हानिप्रद | 1.95 | 1.95 | 3.59 | 3.59 |
| Total | 3147.40 | 136.07 | 3747.64 | 128.45 |

- उपरोक्त के अलावा, बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बोर्ड की मंजूरी के बाद रू० 37.48 करोड़ (दिनांक 31.03.2024 को कुल अग्रिमों का 1%) का फ्लोटिंग (अस्थायी) प्रावधान किया है।

## अनुपात विश्लेषण

| क्रम | अनुपात | इकाई | 2022-23 | 2023-24 | प्रतिशत परिवर्तन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | राशि/अनुपात | | |
| 1 | अग्रिमों पर प्राप्ति | % | 9.62 | 9.50 | -0.12 |
| 2 | निवेश पर प्राप्ति | % | 7.27 | 7.34 | 0.07 |
| 3 | जमा लागत | % | 3.84 | 4.20 | 0.36 |
| 4 | उधार लागत | % | 4.60 | 5.81 | 1.21 |
| 5 | फण्ड की औसत लागत | % | 3.59 | 4.20 | 0.61 |
| 6 | फण्ड पर औसत आय | % | 7.71 | 8.43 | 0.72 |
| 7 | प्रबन्धन की लागत | % | 3.68 | 2.93 | -0.75 |
| 8 | वर्किंग फण्ड के सापेक्ष विविध आय का प्रतिशत | % | 0.47 | 0.47 | 0.00 |
| 9 | शुद्ध मार्जिन | % | 0.61 | 1.08 | 0.47 |
| 10 | वित्तीय मार्जिन | % | 4.12 | 4.23 | 0.11 |
| 11 | जोखिम लागत | % | 0.30 | 0.40 | 0.10 |
| 12 | आस्तियों से आय | % | 0.60 | 0.92 | 0.32 |
| 13 | इक्विटी से आय | % | 14.72 | 18.64 | 3.92 |
| 14 | व्यय अनुपात | % | 60.65 | 66.44 | 5.79 |
| 15 | सकल एन पी ए | करोड़ में | 171.89 | 155.20 | -16.69 |
| 16 | शुद्ध एन पी ए | करोड़ में | 45.07 | 0.69 | -44.38 |
| 17 | सकल एन पी ए हेतु प्रावधान | % | 73.23 | 99.55 | 26.32 |
| 18 | ऋणों के सापेक्ष सकल एन पी ए का प्रतिशत | % | 5.46 | 4.14 | -1.32 |
| 19 | ऋणों के सापेक्ष शुद्ध एन पी ए का प्रतिशत | % | 1.50 | 0.00 | -1.50 |
| 20 | (सी आर ए आर) पूंजी पर्याप्तता अनुपात | % | 11.53 | 12.64 | 1.11 |

## बैलेंस शीट का आकार

31 मार्च 2024 को बैलेंस शीट का आकार जो कि 31 मार्च 2023 को 7760.38 करोड़ था, 976.57 करोड़ की वृद्धि के साथ 8736.95 करोड़ हो गया है।

## शेयर पूंजी और रिजर्व

बैंक की अधिकृत पूंजी रू० 2000 करोड़ है, जो रू० 10 के 200,00,00,000 इक्विटी शेयरों में पूरी तरह से भुगतान किए गए शेयरों में विभक्त है।

दिनांक 31 मार्च 2024 को बैंक की कुल चुकता शेयर पूंजी रू० 1,84,26,65,000 (रू० 10 प्रत्येक के 18,42,66,500 शेयर) है। शेयर पूंजी में केन्द्र सरकार, भारतीय स्टेट बैंक (प्रायोजक बैंक) और राज्य सरकार द्वारा क्रमशः 50:35:15 के अनुपात में शेयर धारिता है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में बैंक को रू0 311,618,400.00 की शेयर पूंजी प्राप्त हुई है, जिसका ब्यौरा निम्न है:-

(राशि रू0 में)

| शेयरधारक | शेयरधारिता (प्रतिशत में) | पूंजी (31.03.2021 को) | मार्च 2022 में पुनर्पूजीकरण | पूंजी 31.03.2022 को | फरवरी 2022 में पुनर्पूजीकरण | कुल पूंजी (31.03.2024 को) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| केन्द्र सरकार | 50 प्रतिशत | 210,743,300 | 554,800,000 | 765,543,300 | 155,789,200 | 921,332,500 |
| भारतीय स्टेट बैंक | 35 प्रतिशत | 147,520,400 | 388,360,000 | 535,880,400 | 109,052,350 | 644,932,750 |
| राज्य सरकार | 15 प्रतिशत | 63,222,900 | 166,400,000 | 229,622,900 | 46,776,850 | 276,399,750 |
| कुल | | 421,486,600 | 1,109,560,000 | 1,531,046,600 | 311,618,400 | 1,842,665,000 |

दिनांक 31.03.2024 को कुल रिजर्व रू0 220.13 करोड़ रहा जो दिनांक 31.03.2023 को रू0 144.88 करोड़ था।

## पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर)

31 मार्च 2024 को बैंक का पूंजी पर्याप्त अनुपात (सीआरएआर) 31 मार्च 2023 के 11.53% से बढ़कर 12.64% हो गया है। टीयर-I तथा टीयर-II पूंजी का विवरण, रिजर्व तथा पूंजी पर्याप्तता की गणना निम्नवत है।

(राशि करोड़ में)

| | पूंजी | 2022-23 | 2023-24 |
|---|---|---|---|
| 1 | टीयर-I | | |
| | (क) प्रदत्त पूंजी शेयर पूंजी जमा सहित | 153.10 | 184.27 |
| | कमः संचित हानि/अमूर्त आस्तियाँ | 38.14 | 0.67 |
| | (ख) वैधानिक रिजर्व एवं अधिशेष | 53.81 | 68.86 |
| | (ग) कैपिटल रिजर्व | 0.00 | 0.00 |
| | (घ) अन्य रिजर्व | 119.60 | 82.10 |
| | (ङ) विशेष रिजर्व (आय कर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(viii) के अंर्तगत) | 0.00 | 0.00 |
| | (च) लाभ हानि खाते का अधिशेष | 0.00 | 25.66 |
| | कुल रिजर्व (ख +ग+घ+ङ+च) | 173.41 | 176.62 |
| | कुल टीयर-I पूंजी | 288.38 | 360.22 |
| 2 | टीयर-II | | |
| | (क) अघोषित रिजर्व | 0.00 | 0.00 |
| | (ख) पुनर्मुल्यांकन रिजर्व | 0.00 | 0.00 |
| | (ग) सामान्य प्रावधान एवं रिजर्व | 16.68 | 15.19 |
| | (घ) निवेश संबंधी उतार चढाव रिजर्व/निधि | 8.97 | 43.51 |
| | कुल टीयर-II पूंजी | 25.65 | 58.70 |
| | महायोग (टीयर-I+टीयर-II) | 314.02 | 418.93 |
| 3 | (क) वित्तपोषित जोखिमों का समायोजित मूल्य (बैलेंस शीट आइटम) | 2714.73 | 3307.70 |
| | (ख) गैर वित्त पोषित जोखिमों का समायोजित मूल्य (ऑफ बैलेंस शीट आइटम) | 8.67 | 6.10 |
| | (ग) कुल जोखिम भारित आस्तियाँ (a+b) | 2723.40 | 3313.80 |
| | (घ) कुल जोखिम भारित आस्तियों के सापेक्ष पूंजी (टीयर-I+टीयर-II) का प्रतिशत | 11.53% | 12.64% |

## जमाराशियाँ

31 मार्च 2024 को जमा राशियाँ 31 मार्च 2023 के रू० 7117.76 करोड़ के सापेक्ष 10.06% की वृद्धि के साथ रू० 7833.62 करोड़ हो गयी।

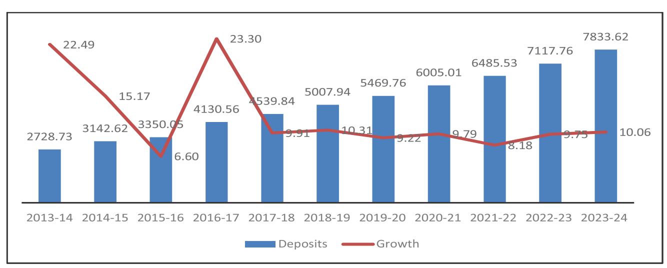


## जमा मिश्रण

31 मार्च 2024 को CASA जमा राशियाँ रू० 423.66 करोड़ (10.23%) की वृद्धि प्राप्त कर 31 मार्च 2023 के रू० 4140.29 करोड़ के सापेक्ष रू० 4563.95 करोड़ हो गयी है तथा सावधि जमा राशियां रू० 292.20 करोड़ (9.81%) की वृद्धि प्राप्त कर 31 मार्च 2023 के रू0 2977.47 करोड़ के सापेक्ष रू० 3269.67 करोड़ हो चुकी है। कुल जमा राशियों में CASA का प्रतिशत 31 मार्च 2023 को 58.14% से बढ़ कर 31 मार्च 2024 को 58.26% हो गया है।

(राशि करोड में)

| जमा मिश्रण | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 |
|---|---|---|---|
| चालू खाता | 154.49 | 151.71 | 171.02 |
| वृद्धि | 23.43 | -2.78 | 19.31 |
| वृद्धि प्रतिशत | 16.51% | -1.80% | 12.73% |
| बचत बैंक खाता | 3609.89 | 3988.58 | 4392.93 |
| वृद्धि | 333.57 | 378.69 | 404.35 |
| वृद्धि प्रतिशत | 10.18% | 10.49% | 10.14% |
| कुल CASA | 3764.38 | 4140.29 | 4563.95 |
| वृद्धि | 357.00 | 375.91 | 423.66 |
| वृद्धि प्रतिशत | 10.44% | 9.99% | 10.23% |
| सावधि जमा | 2721.16 | 2977.47 | 3269.67 |
| वृद्धि | 134.35 | 256.31 | 292.20 |
| वृद्धि प्रतिशत | 5.19% | 9.42% | 9.81% |
| कुल जमा | 6485.54 | 7117.76 | 7833.62 |
| वृद्धि | 491.35 | 632.22 | 715.86 |
| वृद्धि प्रतिशत | 8.18% | 9.75% | 10.06% |

## डीआईसीजीसी प्रीमियम

जमा राशियों की सुरक्षा हेतु बैंक द्वारा नियमित रूप से निपेक्ष बीमा एवं प्रत्यय गारंटी निगम को प्रीमियम का भुगतान नियत समय में किया जा रहा है।

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान रु 9.44 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान डीआईसीजीसी को रु 10.41 करोड़ का प्रीमियम भुगतान किया गया है।

## उधारियाँ

वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक द्वारा कुल रू. 193.38 करोड़ का पुनर्वित्त प्राप्त किया गया तथा दिनांक 31.03.2024 को कुल अवशेष पुनर्वित्त राशियाँ रू० 190.98 करोड़ है।

**उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक वित्तीय वर्ष 2022-23 तथा 2023-24 के दौरान विभिन्न अभिकरणों से प्राप्त उधारियों का विवरण**

(राशि करोड में)

| क्रम संख्या | अभिकरण का नाम | प्रकार | 2022-23 | 31-03-23 को अवशेष | 2023-24 | 31-03-24 को अवशेष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नाबार्ड | ST-SAO | 67.00 | 67.00 | 116.00 | 95.00 |
| 2 | नाबार्ड | LTCRF | 14.50 | 30.47 | 26.00 | 43.61 |
| 3 | नाबार्ड | NRLM | - | 0.58 | - | - |
| 4 | नाबार्ड | ST-Others | - | - | 50.00 | 50.00 |
| 5 | कुल नाबार्ड | | 81.50 | 98.05 | - | 188.61 |
| 6 | एनएसकेएफडीसी | | - | - | - | - |
| 7 | एनएचएफडीसी | | 0.042 | 0.083 | 0.06 | 0.093 |
| 8 | एनएसटीएफडीसी | | 0.61 | 1.64 | 0.32 | 0.89 |
| 9 | एनबीसीएफडीसी | | 0.21 | 0.46 | 0.33 | 0.74 |
| 10 | एनएसएफडीसी | | - | - | 0.67 | 0.65 |
| | कुल | | 82.37 | 100.23 | 193.38 | 190.98 |

## निवेश

आलोच्य वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक का निवेश पोर्टफोलियो रू० 265.50 करोड़ (7.68%) की वृद्धि प्राप्त कर गत वर्ष रू० 3456.91 करोड़ की तुलना में रू० 3722.41 करोड़ हो गया है। एएफएस निवेश पोर्टफोलियो पर दिनांक 31.03.2024 की तिथि में कोई मार्क टू मार्किट (Mark to Market) हानि नही है। सरकारी प्रतिभूतियों /एसडीएल / एसएसडीएल का Modified Duration 4.12 वर्ष है।

(राशि करोड़ में)

| क्रम संख्या | निवेश | राशि | निवेश पोर्टफोलियो का % | NDTL का % |
|---|---|---|---|---|
| 1 | एसएलआर | 3620.51 | 97.26% | NA |
| 1.1 | एएफएस | 2073.58 | 55.71% | 25.92% |
| 1.2 | एचटीएम | 1546.93 | 41.56% | 19.34% |
| 2 | एसएसडीएल | 25.40 | 0.68% | NA |
| 3 | म्यूचुअल फण्ड | 23.99 | 0.64% | NA |
| 4 | बोण्ड्स | 52.51 | 1.41% | NA |
| Total | | 3722.41 | | |

## नकदी आरक्षित अनुपात तथा सांवधिक तरलता अनुपात (सीआरआर एवं एसएलआर)

बैंक द्वारा नकदी आरक्षित अनुपात तथा सांवधिक तरलता अनुपात की विनियामक आवश्यकताओ की पूर्ति के लिए पर्याप्त अवशेष बनाये रखा गया है। बैंक में नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) तथा सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) गणना हेतु स्पष्ट प्रणाली है। बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) तथा सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) के मानदेयों के पालन में कोई चूक नहीं की गई है। बैंक द्वारा दिनांक 31.03.2024 की तिथि में नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में रू० 354.85 करोड़ और सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) में रू० 3686.36 करोड़ की राशियाँ रखी गई है।

बैंक द्वारा एचटीएम श्रेणी की प्रतिभूतियों में रू० 1546.93 करोड़ की धनराशि निवेशित है एवं AFS श्रेणी में बैंक द्वारा रू० 2073.58 करोड़ निवेशित है। बैंक ने एसएलआर निवेश से वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान रू० 254.76 करोड़ की ब्याज आय अर्जित की है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) निवेश से औसत आय (Average yield on SLR investment) 7.37% है। बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में सरकारी प्रतिभूतियों के विक्रय से रू0 3.33 करोड़ का लाभ प्राप्त किया गया है।

## ऋण एवं अग्रिम

वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक का ऋण व्यवसाय पिछले वर्ष के रू० 3147.40 करोड़ की तुलना में रू० 600.24 करोड़ (19.07%) की वृद्धि प्राप्त कर रू० 3747.64 करोड़ हो गया है। प्राथमिक क्षेत्र के ऋणों में 14.09% की वृद्धि हुई है तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह रू० 2133.79 करोड़ हो गया है। कुल ऋण व्यवसाय में प्राथमिक क्षेत्र ऋण की हिस्सेदारी पिछले वर्ष 59.43% की तुलना में घटकर 56.94% हो गई है।

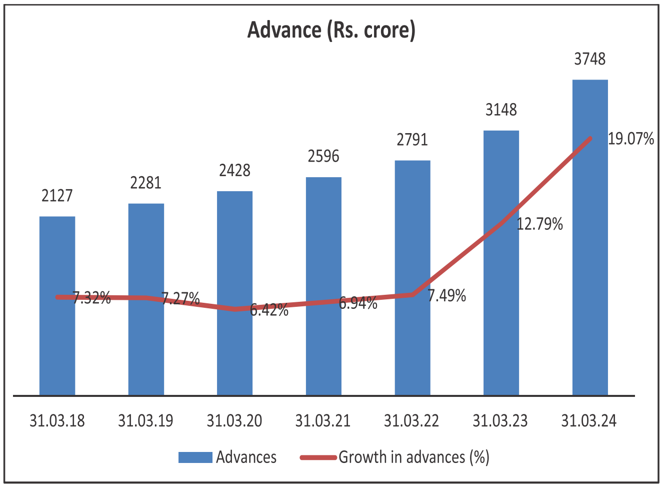


## कृषि क्षेत्र

बैंक का कृषि तथा कृषि से सम्बंधित क्रिया कलापों तथा कृषि कार्य से सम्बंधित स्वयं सहायता समूह सहित कुल कृषि ऋण व्यवसाय दिनांक 31.03.2024 को रू० 557.55 करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक ने कृषि क्षेत्र में रू० 419.75 करोड़ का ऋण वितरण किया है। दिनांक 31.03.2024 को कृषि तथा कृषि से सम्बन्धित गतिविधियों के लिए प्रदत्त ऋण, कुल ऋण व्यवसाय का 14.88% है।

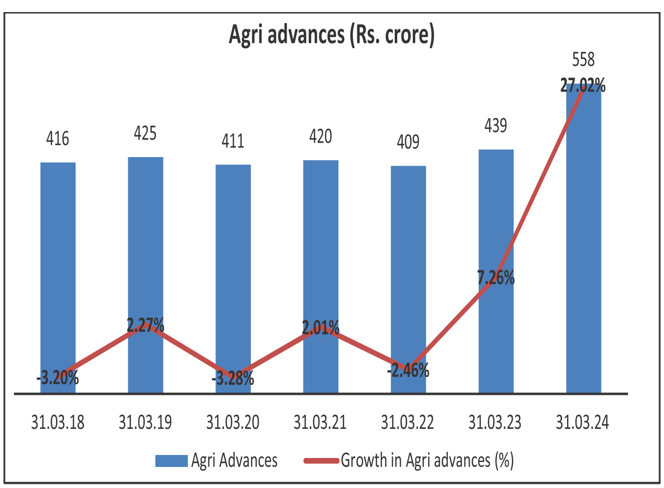

पीएमएफएमई के अन्तर्गत कर्णप्रयाग शाखा द्वारा वित्तपोषित नवानी फूड प्रोसेसिंग यूनिट

## नया कृषि उत्पाद

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान बैंक द्वारा कृषि खण्ड को बढ़ाने के लिये "श्री अन्न योजना" (बाजरा एवं संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए वित्त) भी शुरू की गयी है।

## किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत फसल ऋण

बैंक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से अधिकतम कृषि ऋण वितरण करने के लिये हरसंभव प्रयास किये गये हैं। दिनांक 31.03.2024 को हमारे पास कुल 42252 केसीसी खाते हैं जिनमें से 7034 नये केसीसी वित्तीय वर्ष 2023.24 में जारी किये गये। दिनांक 31.03.2024 को बैंक द्वारा कुल रू० 200.38 करोड़ ऋण केसीसी धारकों को प्रदान किया गया है, जिनका अवशेष रू. 325.04 करोड़ है।

## ब्याज उपादान

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अधीन बैंक द्वारा रू० 3.00 लाख तक के सभी फसली ऋण खातों में 7% ब्याज दर प्रभारित किया जा रहा है तथा तदनुसार ही वित्तीय वर्ष के दौरान 2% ब्याज उपादान (योजना वर्ष 2021-22)हेतु रू. 10.61 लाख एवं 1.5%

ब्याज उपादान (योजना वर्ष 2022-23) हेतु रू. 69.02 करोड़ का भारत सरकार को दावा प्रेषित किया गया है। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अधीन वित्तीय वर्ष 2022-23 में पीआरआई (शीघ्र चुकौती प्रोत्साहन) से संबंधित 3% का लाभ (रू० 1.63 करोड़ की ब्याज उपादान प्रोत्साहन धनराशि) किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को प्रदान की गई तथा तदनुसार नाबार्ड को दावा प्रस्तुत किया गया है।

## संयुक्त देयता समूह (JLGs)

बैंक द्वारा संस्थागत ऋण से वंचित भूमिहीन कृषक, बटाईदार तथा आसामी काश्तकारों को संयुक्त देयता समूह (JLGs) के माध्यम से ऋण प्रदान किया जा रहा है। दिनांक 31.03.2024 को बैंक द्वारा कुल 5124 संयुक्त देयता समूहों को रू० 23.51 करोड़ का ऋण प्रदान किया गया है जिनमे से वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 2322 नये संयुक्त देयता समूहों को रू० 12.91 करोड़ का ऋण प्रदान किया गया है।

## स्वयं सहायता समूह

बैंक द्वारा ग्रामीण जनता विशेष रूप से महिला स्वयं सहायता समूहों में जागरूकता लाने तथा किफायती तरीके से उनकी अति आवश्यक ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु स्वयं सहायता समूहों के गठन और क्रेडिट लिंकेज पर विशेष जोर दिया गया है। बैंक द्वारा दिनांक 31.03.2024 की तिथि तक कुल 10881 स्वयं सहायता समूहों को ऋण प्रदान किया गया हैं जिनमें रू० 56.08 करोड़ अवशेष है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की अवधि में 5889 समूहों को कुल रू० 145.01 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया गया हैं जिनमें से 5757 समूह एनआरएलएम योजना के अन्तर्गत तथा 132 समूह गैर एनआरएलएम योजना के अन्तर्गत आते है।

नाबार्ड द्वारा दिनांक 01.11.2023 से 08.11.2023 तक आयोजित हस्तशिल्प मेले में बैंक द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें यूजीबी द्वारा वित्तपोषित कई स्वयं सहायता समूहों द्वारा भी अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

## दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) ब्याज उपादान योजना

बैंक में नाबार्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अधीन राष्ट्रीय आजीविका मिशन योजना लागू की गई है। मिशन का उद्देश्य निर्धन ग्रामीण जनता के लिये कुशल और प्रभावी संस्थागत मंच तैयार करना है ताकि बेहतर संस्थागत वित्तीय सहायता द्वारा उनकी सुनिश्चित आजीविका हो सके तथा आय में वृद्धि हो सके।

योजना के अन्तर्गत सभी महिला डे-एनआरएलएम समूह जिन्हें बैंक द्वारा वित्त पोषित किया गया है और जिन्हे केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागों नाबार्ड, अथवा किसी भी गैर-सरकारी संगठनों द्वारा गठित किया गया है, योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं।

योजना के अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण पर ब्याज अनुदान योजना देश के सभी जिलों में लागू है। सभी जिलों में ऐसी सभी महिला स्वयं सहायता समूहों को 7% ब्याज दर पर 3 लाख तक का ऋण दिया गया है और सरकार 4.50% प्रति वर्ष की समान दर पर अनुदान देगी, इसके अलावा, 3 लाख से अधिक और 5 लाख तक के ऋण के लिए सरकार समान रूप से 5% की दर पर अनुदान देगी।

हमारे बैंक द्वारा एनआरएलएम स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज हेतु उत्तराखण्ड सरकार के साथ अनुबंध किया गया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत अधिकाधिक स्वयं सहायता समूहों को हमारे बैंक द्वारा वित्तपोषण किये जाने के उदेश्य से उक्त MOU निष्पादित किया गया है।

**श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 12.03.2024 को उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा राज्य आजीविका मिशन के तहत वित्तपोषित पांच ऋणियों को ऋण वितरण किया गया।**
**बैंक अध्यक्ष श्री हरि हर पटनायक ने माननीय मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया।**

## प्राथमिकता क्षेत्र ऋण

दिनांक 31.03.2024 को बैंक की कुल अवशेष ऋण राशियाँ रू. 3747.64 करोड़ हैं, जिनमें में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र का खण्डवार विवरण नीचे दी गई तालिका के अनुसार है।

| वर्ग | 31.03.2024 की तिथि में स्थिति (कुल ऋण अवशेष का %) | एएनबीसी का लक्ष्य % (4 तिमाहियों का औसत) | PSLC लेन-देन के बाद (कुल ऋण अवशेष का %) |
|---|---|---|---|
| कुल प्राथमिकता क्षेत्र | 59.04 | 75.00 | 75.83 |
| कृषि | 15.43 | 18.00 | 19.30 |
| लघु एवं सीमांत कृषक | 11.92 | 10.00 | 11.92 |
| माइक्रो एंटरप्राइज | 24.60 | 7.50 | 12.15 |
| कमजोर वर्ग | 24.36 | 15.00 | 24.36 |

बैंक का प्राथमिकता क्षेत्र ऋण कुल ऋण व्यवसाय का 56.94% है। 31 मार्च 2024 को बैंक का कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण 31 मार्च 2023 के रू0 1870.64 करोड़ के सापेक्ष रू0 2133.79 करोड़ रहा है। जिसमें रू. 263.15 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गयी है एवं वृद्धि प्रतिशत 14.07% रहा है।

(राशि करोड़ में)

| क्रम | वर्ग | 2022-23 | | 2023-24 | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | खातों की संख्या | अवशेष राशि | खातों की संख्या | अवशेष राशि |
| 1. | कमजोर वर्ग | 66189 | 662.49 | 75330 | 880.52 |
| 2. | महिला ऋणी | 16834 | 595.76 | 19616 | 742.26 |
| 3. | अल्पसंख्यक | 3873 | 109.37 | 4011 | 127.72 |
| 4. | अनुसूचित जाति/जनजाति | 15093 | 321.95 | 14627 | 343.73 |

## अन्तर बैंक भागीदारी प्रमाण पत्र

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष में अन्तर बैंक भागीदारी प्रमाण पत्र (IBPC) में भाग नहीं लिया गया।

## प्राथमिकता क्षेत्र उधार प्रमाण पत्र

वित्तीय वर्ष 2023-24 में बैंक द्वारा प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के लक्ष्यों की प्राप्ति न होने के कारण भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र सं0 RBI/FIDD/2020-21/72 (FIDD.CO.Plan.BC.5/04.09.01/2020-21) दिनांक 04.09.2020 के अनुसार प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्रों (PSLC) की खरीद / बिक्री की गई जिसका विवरण निम्नानुसार है-

(राशि करोड़ में)

| क्रम | वर्ग | अवधि की समाप्ति पर | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | 30-06-23 | 30-09-23 | 31-12-23 | 31-03-24 |
| 1 | जारी किए गए कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र (1.1+1.2+1.3+1.4) | 400.00 | 450.00 | 450.00 | 450.00 |
| 1.1 | 1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र कृषि | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 1.2 | 1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र लघु एवं सीमांत कृषक | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 1.3 | 1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र माइक्रो एंटरप्राइज | 400.00 | 450.00 | 450.00 | 450.00 |
| 1.4 | 1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र सामान्य | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 2 | खरीदे गए कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र (2.1+2.2+2.3+2.4) | 952.00 | 1042.00 | 1057.00 | 1057.00 |
| 2.1 | 2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र कृषि | 140.00 | 140.00 | 140.00 | 140.00 |
| 2.2 | 2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र लघु एवं सीमांत कृषक | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 2.3 | 2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र माइक्रो एंटरप्राइज | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 2.4 | 2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र सामान्य | 812.00 | 902.00 | 917.00 | 917.00 |

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र *(PSLC)* की खरीद/बिक्री से रू० *4.05* लाख का लाभ अर्जित किया गया।

## सरकार प्रायोजित योजनाएँ

बैंक द्वारा विभिन्न राज्य तथा केन्द्र सरकार प्रायोजित योजनाओं में, ऋण प्रदान कर सक्रिय रूप से भागीदारी की गई है। इन योजनाओं में वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नानुसार ऋण स्वीकृत किये गये-

(राशि करोड़ में)

| योजना | लक्ष्य | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|
| | इकाइयों की संख्या | इकाइयों की संख्या | राशि |
| डे-एनआरएलएम | 5766 | 5757 | 143.02 |
| वीसीएसजीपीवाई | 36 | 47 | 14.36 |
| पीएमईजीपी | 116 | 694 | 31.91 |
| एनयूएलएम | 84 | 135 | 2.12 |
| एमएसएसवाई-सोलर | - | 14 | 9.73 |
| अन्य | - | 3997 | 130.77 |
| कुल | - | 10659 | 332.04 |

बैंक को वित्तीय वर्ष 2023-24 में पीएमईजीपी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया गया

दिनांक 31.03.2024 को राजकीय प्रायोजित योजनाओं की स्थिति

(राशि करोड़ में)

| योजना | 31.03.2024 की तिथि में अवशेष | | वित्तीय वर्ष 2023-24 में ऋण वितरण | |
|---|---|---|---|---|
| | इकाइयों की संख्या | राशि | इकाइयों की संख्या | राशि |
| डे-एनआरएलएम | 9719 | 95.91 | 7542 | 111.19 |
| वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना | 243 | 28.15 | 91 | 10.83 |
| पीएमईजीपी | 2799 | 74.83 | 1744 | 35.78 |
| एनयूएलएम (एसजेएसवाई) | 844 | 5.83 | 269 | 2.78 |
| एमएसएसवाई | 21 | 8.68 | 17 | 8.26 |
| अन्य | 10891 | 215.39 | 5965 | 139.25 |
| कुल | **24517** | **428.79** | **15628** | **308.09** |

## राज्य ऋण योजनाओं में भागीदारी

राज्य ऋण योजनाओं में बैंक की भागीदारी निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ में)

| | वर्ग | 2022-23 | | | 2023-24 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | लक्ष्य | प्राप्ति | % प्राप्ति | लक्ष्य | प्राप्ति | % प्राप्ति |
| 1. | फ़सली ऋण | 776.28 | 250.97 | **32.33%** | 821.57 | 332.39 | **40.46%** |
| 2. | एटीएल | 364.63 | 43.47 | **11.92%** | 375.67 | 87.35 | **23.25%** |
| 3. | एनएफएस | 785.49 | 522.05 | **66.46%** | 1150.21 | 682.04 | **59.30%** |
| 4. | ओपीएस | 395.28 | 107.10 | **27.09%** | 406.80 | 100.51 | **24.71%** |
| 5. | कुल प्राथमिक प्राप्त क्षेत्र | 2321.68 | 923.59 | **39.78%** | 2754.25 | 1202.29 | **43.65%** |
| 6. | गैर प्राथमिक प्राप्त क्षेत्र | 536.03 | 1089.58 | **203.27%** | 641.02 | 1266.18 | **197.53%** |
| **7.** | कुल ऋण वितरण | **2857.71** | **2013.17** | **70.45%** | **3395.27** | **2468.47** | **72.70%** |

**शाखा लैंसडाउन द्वारा वित्तपोषित होटल हैमिल्टन पैलेस (राशि रू. 135 लाख)**

**शाखा मनसूना द्वारा वित्तपोषित श्री तीर्थम् रेसीडेंसी (राशि रू0 98 लाख)**

## खुदरा ऋण

वित्तीय वर्ष के दौरान, आवास ऋण, शिक्षा ऋण, वैयक्तिक ऋण, मांग ऋण, आदि के लिए खुदरा ऋण के क्षेत्र में हमारा प्रदर्शन निम्नानुसार रहा है:-

| क्रम | ऋण खण्ड | 31 मार्च 2023 को बकाया | | 31 मार्च 2024 को बकाया | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल खातों की संख्या | राशि | कुल खातों की संख्या | राशि |
| 1 | आवास ऋण | 8393 | 928.68 | 8882 | 1103.42 |
| 2 | शिक्षा ऋण | 458 | 20.57 | 491 | 23.59 |
| 3 | कार ऋण | 2534 | 107.13 | 2742 | 130.48 |
| 4 | अन्य वैयक्तिक ऋण | 16237 | 801.33 | 16512 | 911.50 |
| 5 | कुल वैयक्तिक ऋण | **27622** | **1857.71** | **28627** | **2168.99** |

## CERSAI

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में हमारा बैंक CERSAI में पंजीकृत है तथा इसके समस्त निर्देशों का बैंक द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। हमारे सभी ऋण खाते जिनमें बैंक द्वारा साम्यमूल बंधक अथवा दृष्टिबंधक प्रभार लिया गया है एवं जो दिनांक 31.03.2024 की तिथि में SARFAESI अधिनियम 2002 के अन्तर्गत सुरक्षित है का निर्धारित अवधि में CERSAI में पंजीकरण किया गया है।

इसके साथ ही बैंक के पक्ष में सृजित किए गए सुरक्षा हित का विवरण CERSAI के सार्वजनिक डोमेन पर नागरिकों / अन्य बैंकों / वित्तीय संस्थाओं द्वारा जांच के लिए उपलब्ध है जिससे एक ही संपत्ति पर संभावित बहु वित्तपोषण / धोखाधड़ी को रोका जा सके।

## माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (CGTMSE) के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट

वर्तमान में बैंक CGTMSE का सदस्य नहीं है।

## माइक्रो यूनिट हेतु क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफएमयू)

बैंक को वित्तीय वर्ष 2022-23 में सीजीएफएमयू की सदस्यता प्राप्त हुई है। दिनांक 31.03.2024 को कुल 6040 खाते (टीएल/सीसी) सीजीएफएमयू के अन्तर्गत आच्छादित हैं।

## क्रेडिट सूचना कंपनियाँ

हमारा बैंक CIBIL (क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड) का सदस्य है। CIBIL में बैंक नियमित रूप से सूचनायें अपलोड कर रहा है और हमारे सभी क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाएँ CIBIL रिपोर्ट का उपयोग करते हुए आवेदकों की Credit history का विवेचन कर ऋण स्वीकृति के निर्णय ले रही हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तीन अन्य क्रेडिट कम्पनियों इक्विफैक्स क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एक्सपेरियन क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा सी.आर.आई. एफ. हाई मार्क क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को पंजीकरण प्रमाण पत्र दिया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पत्र क्रमांक DBR No. CID.BC.60 / 20.16.056 / 2014-15 दिनांक 15.01.2015 के द्वारा सभी वित्तीय संस्थानों को सभी क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनियों की सदस्यता ग्रहण करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के परिपालन में बैंक द्वारा उल्लिखित तीनो क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनियों की सदस्यता भी ग्रहण कर ली गई है।

## आस्ति गुणवत्ताः अनर्जक आस्तियों का प्रबंधन

बैंक की कुल अनर्जक आस्तियाँ दिनांक 31.03.2023 के सापेक्ष रू० 171.89 करोड़ से घटकर दिनांक 31.03.2024 को रू० 155.20 करोड़ हो गई है। 31 मार्च 2024 को बैंक के कुल ऋण के सापेक्ष सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत 31 मार्च 2023 के 5.46% से घट्कर 4.14% हो गया है।

बैंक का निवल ऋणों के सापेक्ष निवल एनपीए का प्रतिशत 31 मार्च 2023 के 1.50% से घटकर 31.03.2024 को 0.02% हो गया है। 31 मार्च 2024 को निवल अनर्जक आस्तियाँ 31 मार्च 2023 के रू. 45.07 करोड़ से घटकर रू. 0.69 करोड़ हो गई है।

## सम्पर्क अभियानः

वित्तीय वर्ष 2023-24 के चतुर्थ त्रैमास में बैंक द्वारा एनपीए को कम करने हेतु सम्पर्क अभियान चलाया गया जिसके तहत अन्य शाखाओं के स्टाफ द्वारा एनपीए ऋणियों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया गया। इस अभियान के फलस्वरूप कुल रू0 4.13 करोड़ के 361 एनपीए खातों को बंद / अपग्रेड किया गया।

## सरफेसी एवं सूट फाइल

SARFAESI अधिनियम 2002 के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदर्शन निम्नानुसार है।

(राशि करोड़ में)

| जारी किये गये मांग नोटिस | | जारी किये गये कब्जा अधिकार नोटिस | | कब्जा अधिकार प्राप्त | | नीलामी | | नियमितीकरण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खातों की संख्या | राशि | खातों की संख्या | राशि | खातों की संख्या | राशि | खातों की संख्या | राशि | खातों की संख्या | राशि |
| 58 | 10.40 | 37 | 7.33 | 19 | 3.74 | 17 | 11.32 | 39 | 6.03 |

दिनांक 31 मार्च 2024 में दायर किए गए वाद की स्थिति

(राशि करोड़ में)

| वाद दायर | | डिक्री प्राप्त | | ईपी दायर | | वाद दायर करने के उपरांत वसूली | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वाद संख्या | राशि | वाद संख्या | राशि | वाद संख्या | राशि | वाद संख्या | राशि |
| 97 | 1.99 | 27 | 0.84 | 4 | 0.05 | 45 | 0.92 |

## समझौता प्रस्ताव/ओटीएस

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में बोर्ड से अनुमोदित समझौता समाधान योजना के अन्तर्गत कई वर्षो से लम्बित अनर्जक ऋण खाते, जिनमें पर्याप्त प्रावधान पहले से किये गये थे, में पर्याप्त वसूली की गई है।

**वित्तीय वर्ष** 2023-24 में समझौता प्रस्ताव/ओटीएस में प्रदर्शन

(राशि करोड़ में)

| समझौता | 2020-21 | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 |
|---|---|---|---|---|
| खातों की संख्या | 466 | 619 | 952 | 886 |
| राशि | 5.02 | 6.06 | 11.53 | 15.55 |

**जो कि निम्न माध्यमों से निस्तारित किए गये-**

### लोक अदालत

वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 135 मामलों में रू० 2.80 करोड़ की राशि के मामले लोक अदालतों के माध्यम से निस्तारित किये गए।

### बैंक अदालत

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान रू० 3.39 करोड़ की राशि के 217 मामले बैंक अदालतों के माध्यम से निस्तारित किये गए।

## ऋण खातों का अपलेखन

बैंक द्वारा उन अनर्जक आस्तियों जिन्हें संदिग्ध एवं हानिप्रद आस्तियों के अन्तर्गत श्रेणीबद्ध किया गया है तथा जिनमें वसूली के सभी प्रयास किये जा चुके थे, का अपलेखन किया गया है जिसका विवरण निम्नवत है।

(राशि करोड़ में)

| | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 |
|---|---|---|---|
| खातों की संख्या | 67 | 1188 | 989 |
| अपलिखित राशि | 0.84 | 9.62 | 9.64 |
| काल्पनिक ब्याज | 1.02 | 17.20 | 17.78 |
| कुल राशि | 1.86 | 26.81 | 27.42 |

## आस्ति वर्गीकरण

(राशि करोड़ में)

| आस्ति | 2022-23 | | 2023-24 | |
|---|---|---|---|---|
| | बकाया | प्रतिशत | बकाया | प्रतिशत |
| मानक | **2975.51** | **94.54%** | **3592.44** | **95.86%** |
| अवमानक | 26.29 | 0.84% | 25.89 | 0.69% |
| संदिग्ध | 143.65 | 4.56% | 125.72 | 3.35% |
| हानिप्रद | 1.95 | 0.06% | 3.59 | 0.10% |
| कुल अनर्जक आस्ति | **171.89** | **5.46%** | **155.20** | **4.14%** |
| कुल ऋण | **3147.40** | | **3747.64** | |

## हानिप्रद शाखाएँ

दिनांक 31.03.2024 को गत वर्ष की कुल 24 हानिप्रद शाखाओं के सापेक्ष 8 शाखाएं हानिप्रद रही, जिनमें से दो शाखाएं (ब्यासी एवं पांच मंदिर) मार्च 2023 में खोली गयी हैं।

**हानिप्रद शाखाओं की संख्या**

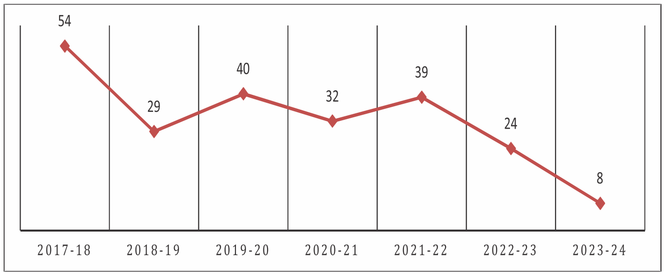


## आंतरिक नियंत्रण प्रणाली - निरीक्षण और लेखा परीक्षा

बैंक की सभी गतिविधियों को आंतरिक लेखा परीक्षा के अन्तर्गत शामिल किया जाता है, जिसमें छः अलग-अलग प्रकार के ऑडिट शामिल होते हैं: (ए) जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट (आरएफआईए) (बी) समवर्ती लेखा परीक्षा (सी) पूरक ऑडिट (डी) आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा (ई) अनुपालन लेखा परीक्षा (एफ) सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा।

## जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट (आरएफआईए)

प्रायोजक बैंक (भारतीय स्टेट बैंक) द्वारा जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट प्रणाली (आर.एफ.आई.ए) को 01 अप्रैल 2017 से हमारे बैंक में लागू किया गया है। लेखा परीक्षा मानको को सुदृढ करने के लिए तथा उच्च रेटिंग प्राप्त करने हेतु IT (सूचना तकनीक) IS (सूचना प्रणाली) ऑडिट को इसमें शामिल किया

| संशोधित रेटिंग | वर्ग | अंक श्रेणी |
|---|---|---|
| अच्छी तरह नियंत्रित | A+ | 850 या अधिक |
| पर्याप्त रूप से नियंत्रित | A | 700 तथा 700 से अधिक एवं 850 से कम |
| सामान्य रूप से नियंत्रित | B | 600 तथा 600 से अधिक एवं 700 से कम |
| असंतोषजनक ढ़ंग से नियंत्रित | C | 600 से कम |

गया। है।

**रेटिंग प्रणाली विषयक मानदण्ड वार अंक निम्नानुसार है:-**

अच्छी तरह नियंत्रित A+ और पर्याप्त रूप से नियंत्रित A रेटिंग वाली शाखाओं को पिछली ऑडिट की तारीख से 18 माह में ऑडिट किया जाता है, जबकि सामान्य रूप से नियंत्रित B रेटिंग वाली शाखाओं तथा असंतोष जनक ढंग से नियंत्रित C रेटिंग शाखाओं का एक वर्ष की समयावधि के अन्तर्गत ऑडिट किया जाता है।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 290 शाखाओं में से 189 का ऑडिट किया गया है। शाखाओं द्वारा प्राप्त की गयी रेटिंग निम्नानुसार है।

| रेटिंग | | वित्तीय वर्ष के 2023-24 के दौरान ऑडिट की गई शाखाएँ | समस्त 290 शाखाओं की वर्तमान स्थिति |
|---|---|---|---|
| अच्छी तरह नियंत्रित | A+ | 45 | 73 |
| पर्याप्त रुप से नियंत्रित | A | 141 | 212 |
| सामान्य रुप से नियंत्रित | B | 3 | 3 |
| असंतोषजनक ढ़ंग से नियंत्रित | C | 0 | 0 |
| नई शाखाऐं (जिनका ऑडिट नही हुआ है) | | - | 2 |
| कुल | | **189** | **290** |

लेखा परीक्षकों द्वारा प्रस्तुत लेखा परीक्षा रिपोर्ट्स को जहाँ आवश्यक है, सुधारात्मक कार्यवाही कर निष्पादित किया गया है। निरीक्षण विभाग द्वारा अपने कार्य को निष्पक्ष और बिना किसी पूर्वाग्रह के निष्पादित किया गया है जिससे प्रणालियों और प्रक्रियाओं को मजबूत करने में सहायता मिली है।

वर्ष के दौरान अंकेक्षित कुल 234 ऑडिट रिपोर्टस (जिनमें से 45 रिपोर्ट्स वित्तीय वर्ष 2022-23 की लम्बित हैं) में से 197 रिपोर्ट्स बंद की जा चुकी है तथा दिनांक 31.03.2024 को 37 रिपोर्टस बंद होने के लिए लम्बित हैं, जिनमें से कोई भी रिपोर्ट 12 हफ्तों से अधिक समय से लम्बित नहीं है।

## समवर्ती लेखा परीक्षा

बैंक में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के एक भाग के रूप में, वित्त वर्ष 2011-12 में नाबार्ड द्वारा जारी नीति दिशानिर्देशों के अनुसार समवर्ती लेखा परीक्षा शुरू की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 90 शाखाओं की बैंक के आन्तरिक लेखा परीक्षकों, 5 सेवानिवृत बैंक-अधिकारियों एवं 4 सीए फर्मो की टीम द्वारा समवर्ती लेखा परीक्षा की गई है।

समवर्ती लेखा परीक्षा में निम्न क्षेत्र शामिल है:-

ए) नकदी संचालन बी) प्रतिभूतियों की सुरक्षित अभिरक्षा सी) विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग डी) विविध और उचन्ति खाते ई) समाशोधन अंतर एफ) सामान्य अनियमिततायें

## पूरक ऑडिट

नाबार्ड के दिशा-निर्देशों पर बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 से बैंक के आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के भाग के रूप में पूरक ऑडिट की शुरूआत की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में बैंक के आन्तरिक लेखा परीक्षकों, 4 सेवानिवृत बैंक-अधिकारियों एवं 4 सीए फर्मो की टीम द्वारा 148 शाखाओं का पूरक ऑडिट किया गया।

पूरक ऑडिट में निम्न क्षेत्र शामिल है:-

ए) नकदी संचालन बी) प्रतिभूतियों की सुरक्षित अभिरक्षा सी) विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग डी) विविध और उचन्ति खाते इ) समाशोधन अंतर एफ) सामान्य अनियमिततायें

## आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा

आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा उन शाखाओं में की जाती है जो समवर्ती लेखा परीक्षा के अंतर्गत नहीं आती हैं। क्षेत्रीय कार्यालय आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा करने के लिए अधिकारियों को एक शाखा से दूसरी शाखा में प्रतिनियुक्त करते हैं।

## अनुपालना ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 31 (16.40%) शाखाओं में अनुपालन लेखा परीक्षा की गई है (न्यूनतम 15%)।

## आधार केंद्र ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 29 आधार केंद्रों के सापेक्ष 20 शाखाओं का आधार केंद्र ऑडिट किया गया।

## बीसी/सीएसपी केंद्र ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 186 केंद्रों पर बीसी/सीएसपी ऑडिट किया गया।

## स्व लेखा परीक्षण

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 170 शाखाओं में सेल्फ ऑडिट किया गया, कुल 189 शाखाओं में से 90% शाखाओं में किया गया।

## आई एस ऑडिट

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं कुछ शाखाओं का आई एस ऑडिट करवाया गया।

## प्रशासनिक इकाइयों का आंतरिक निरीक्षण

प्रधान कार्यालय और समस्त 5 क्षेत्रीय कार्यालयों का इस वर्ष के दौरान आन्तरिक निरीक्षण किया गया।

## बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति

बोर्ड लेखा परीक्षा समिति का गठन भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड तथा राज्य सरकार द्वारा नामांकित निदेशकों को शामिल कर किया गया है। समिति की अध्यक्षता भारतीय स्टेट बैंक के नामित निदेशक द्वारा की जाती है। इस वित्तीय वर्ष में बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति की चार बैठकें आयोजित की गयी।

## नाबार्ड निरीक्षण

### बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 35 (6) के अन्तर्गत

नाबार्ड द्वारा दिनांक 31.03.2023 की वित्तीय स्थिति पर बैंक का अंकेक्षण किया गया है। उक्त अंकेक्षण रिपोर्ट (दिनांक 06.09.2023) की आख्या दिनांक 04.11.2023 को नाबार्ड को प्रस्तुत की जा चुकी है।

## प्रबंधन लेखा परीक्षा -

बैंक का प्रबंधन लेखा परीक्षा भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 12.06.2023 से 17.06.2023 तक डेढ़ वर्ष की अवधि को कवर करते हुए किया गया। रिपोर्ट का समापन निर्धारित समय में किया गया।

## बैंक की पॉलिसी संरचना

बैंकिंग के सभी क्षेत्रों में नीति निर्धारित करने एवं निरन्तरता बनाये रखने हेतु एक नीतिगत रूपरेखा तैयार की गई है। दिनांक 31.03.2024 की तिथि में हमारे बैंक की निम्नलिखित नीतियां विधिवत रूप से बोर्ड की बैठक में बोर्ड द्वारा अनुमोदित/ समीक्षा की गई है।

## नीतियों की सूचीः-

1. ऋण नीति
2. स्वर्ण आभूषणों के विरूद्ध ऋण नीति
3. सिबिल नीति
4. कोलेटरल/क्रेडिट जोखिम प्रबंधन नीति
5. एएमएच रूपरेखा नीति
6. एनपीए प्रबंधन नीति
7. सतर्कता नीति
8. धोखाधड़ी प्रबंधन नीति
9. मुखबिर नीति
10. जांच एजेंसियों को नियुक्त करने के लिए नीति
11. आंतरिक लेखा नीति
12. समवर्ती लेखा नीति
13. अनुपालना लेखा नीति
14. निवेश नीति
15. केवाईसी/एएमएल नीति
16. अनापरित चैक एवं इलेक्ट्रानिक भुगतान प्रणाली नीति
17. मूल्यहांस नीति
18. अभिलेख अवधारण नीति
19. ई-अपशिष्ट नीति
20. डीईएएफ नीति
21. परिसर नीति
22. शिकायत प्रबंधन नीति
23. अनुपालना नीति
24. प्रशिक्षण नीति
25. स्थानान्तरण नीति
26. अवकाश नीति
27. मेडिकल इन्श्योरेंस नीति
28. मानव संसाधन नीति
29. वकीलों की नियुक्ति के लिए नीति
30. शिकायत एवं निवारण नीति

31. बीसी नीति
32. जोखिम प्रबंधन नीति
33. आस्ति दायित्व प्रबंधन नीति
34. आईसीएएपी
35. मुआवजा नीति
36. आउटसोर्सिंग नीति
37. ग्राहक मूल्य वृद्धि एवं तृतीय पक्ष उत्पाद (क्रास सेलिंग) नीति
38. आईएस सुरक्षा नीति
39. आईटी नीति
40. आईएस लेखा नीति
41. मोबाईल बैंकिग नीति
42. साइबर नीति
43. क्रय नीति
44. इंटरनेट बैंकिग नीति
45. एटीएम परिचालन नीति
46. परिसर किराया नीति
47. व्यापार निरंतरता और आपदा प्रबंधन नीति
48. बैंक जमा नीति
49. शाखा भ्रमण नीति
50. बोर्ड लेखा समिति नीति
51. सीआईसी की सदस्यता
52. एनपीए की प्रणाली जेनरेशन नीति
53. भुगतान एवं निपटान प्रणाली
54. बैंकिग लोकपाल नीति
55. रोकड़ प्रबंधन नीति
56. अनुपालना विभाग
57. निरीक्षण निष्कर्ष की अनुपालना
58. विवेकपूर्ण मानदंडों की अनुपालना
59. वित्तीय शक्तियों का प्रतिनिधान
60. आईबीपीसी एवं पीएसएलसी
61. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर नीति
62. एमएसएमई पुनर्वास नीति
63. बीएसबीडीए नीति
64. समझौता नीति
65. चैक संग्रहण नीति
66. व्यवसायिक कोर्स के लिये इंटर्नशिप नीति
67. नकली नोट का पता लगाने की नीति
68. ग्राहक अधिकार नीति
69. अचल संपति नीति
70. स्टाफ जवाबदेही नीति
71. डॉर-स्टैप बैंकिंग नीति
72. पूरक ऑडिट नीति
73. क्रेडिट ऑडिट नीति
74. कानूनी ऑडिट नीति
75. सेफ डिपॉसिट/लॉकर नीति
76. पूंजी प्रबंधन नीति

## जोखिम प्रबंधन

यूजीबी के पास विभिन्न प्रकार के जोखिमों का आकलन करने और उन्हें कम करने के लिए एक प्रभावी आंतरिक नियंत्रण प्रणाली है। बैंक के पास बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति मौजूद है।

जोखिम प्रबंधन विभाग बैंक के महाप्रबंधक (प्रशासन) की अध्यक्षता में त्रैमासिक अंतराल पर सभी विभागों के सभी विभागाध्यक्षों की बैठक बुलाता है। जोखिम प्रबंधन समिति विभागवार विभिन्न जोखिमों का आकलन और पहचान करती है और प्रभावी नियंत्रण के माध्यम से जोखिमों को कम करने के लिए रणनीति तैयार करती है। कार्यवाही की आगे समीक्षा बैंक के अध्यक्ष द्वारा की जाती है।

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में निम्नलिखित जोखिमों की पहचान की है और उन्हें कम हेतु कार्यवाही की गई है:

1. **तरलता जोखिम और ब्याज दर जोखिम:** बैंक के पास बोर्ड द्वारा अनुमोदित आस्ति देयता समिति (ALCO समिति) है, जो तरलता की स्थिति और ब्याज दर की समीक्षा करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर बैठक करती है। बैंक ने बोर्ड द्वारा विधिवत अनुमोदित एएलएम नीति भी तैयार की है और नियमित रूप से ALCO /बोर्ड को तरलता पैरामीटर और ब्याज दर परिदृश्य पेश कर रहा है।
2. **परिचालन जोखिम:** पिछले वित्तीय वर्ष की तरह, यूजीबी ने सभी शाखाओं में आरसीएसए (जोखिम और नियंत्रण स्व-मूल्यांकन अभ्यास) के माध्यम से परिचालन जोखिम को पहचानने और कम करने की प्रक्रिया फिर से पूरी की।
3. **क्रेडिट जोखिम:** यूजीबी के पास बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऋण और वसूली नीति है। बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बर्ड-लखनऊ, एसबीआईआरबी-हैदराबाद, सीएबी पुणे, नाबार्ड आदि जैसे अन्य बाहरी संस्थानों से प्रशिक्षण के अलावा, इन हाउस ट्रेनिंग सिस्टम यानी यूजीबी लर्निंग सेंटर के माध्यम से क्रेडिट मूल्यांकन के लिए अधिकारियों को ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया है। कृषि अग्रिमों के लिए एसबीआईआरबी, हैदराबाद के सहयोग से यूजीबीएलसी द्वारा दो विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।
4. **अनुपालन जोखिम:** यूजीबी के पास प्रभावी ऑडिट नीति लागू है। बैंक शाखाओं में नियमित आरएफआईए ऑडिट और समवर्ती ऑडिट आयोजित कर रहा है। बैंक को किसी भी वित्तीय दंड का सामना नहीं करना पड़ा है और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बैंक पर लागू सभी कानूनों और विनियमों का अनुपालन करता है।

5. **<u>बाहरी पर्यावरण जोखिम</u>:** उत्तराखंड राज्य प्राकृतिक आपदाओं से ग्रस्त है। यदि कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो इसका बैंक के समग्र व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और इससे क्रेडिट और परिचालन जोखिम हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप प्रतिष्ठा को भी खतरा हो सकता है। इन जोखिमों को कम करने के लिए, यूजीबी ने प्रभावी व्यापार निरंतरता योजना के माध्यम से ऐसी अप्रत्याशित स्थितियों के मामले में सभी शाखाओं में निर्बाध रूप से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए मॉक ड्रिल अभ्यास शुरू किया है।

   नाबार्ड के दिशा-निर्देशों पर बैंक द्वारा विभिन्न जोखिमों जैसे-तरलता जोखिम, क्रेडिट जोखिम एवं ब्याज दर जोखिम की पहचान, विश्लेषण एवं कमी तनाव-परीक्षण फ्रेमवर्क शुरू किया गया है। इसी के साथ क्रेडिट एवं संचालन जोखिमों के प्रबंधन के लिए विशेष नीतियां जारी की गयी हैं।

## वित्तीय समावेशन

बैंक कियोस्क सॉफ्टवेयर से लैस बैंक मित्रों के माध्यम से 624 उप सेवा क्षेत्रें (एसएसए) में बैंकिंग सेवाएं और उत्पाद प्रदान कर रहा है, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सीएसपी चैनल के माध्यम से किए गए लेनदेनों की कुल संख्या 688703 है, जिनकी राशि रू 246.23 करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में लेनदेनों की कुल संख्या 427229 एवं राशि रु 139.95 करोड थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान लेनदेन की संख्या में 61% की वृद्धि हुई और सीएसपी चैनल के माध्यम से किए गए लेनदेन की मात्रा में 76% की वृद्धि हुई। बैंक ने दिनांक 01.01.2024 से 31.03.2024 तक सीएसपी और कॉर्पोरेट बीसी को सक्रिय करने और प्रोत्साहन के लिए विशेष अभियान चलाया है। बैंक द्वारा सीएसपी चैनल पर नियंत्रण बढ़ाने और प्रभावी उपयोग के लिए दो नये बीसी पर्यवेक्षकों और एक मुख्य बीसी पर्यवेक्षक को तैनात किया गया है। सीएसपी चैनल की भागीदारी बढ़ाने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान तीन और कॉर्पोरेट बीसी को सूचीबद्ध किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, बैंक मित्रों द्वारा रु० 12.23 करोड़ की जमा राशि के साथ 30704 बचत खाते खोले गए।

जिला एवं राज्य स्तर पर कॉरपोरेट बीसी के समन्वयकर्ताओं के लिए वर्कशाप आयोजित की गई

## सामाजिक सुरक्षा योजनायें (पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, अटल पेंशन योजना)

बैंक द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं जैसे प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना में सक्रिय रुप से भागीदारी की जाती है। बैंक द्वारा विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 में पीएमएसबीवाई में 160350 के लक्ष्यों के सापेक्ष 161339 नामांकन तथा पीएमजेजेबीवाई में 82850 के लक्ष्यों के सापेक्ष 83144 नामांकन किये गये हैं।

बैंक द्वारा अटल पेंशन योजना में पीएफआरडीए / डीएफएस द्वारा आवंटित 28800 के लक्ष्यों के सापेक्ष 30605 नामांकन किये गये हैं।

## प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना

दिनांक 31.03.2024 तक बैंक द्वारा प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 215272 ग्राहकों को नामांकित किया गया है। संदर्भित वित्तीय वर्ष में 169 लाभार्थियों को रू. 3.38 करोड़ की बीमा दावा राशि का भुगतान पीएमजेजेबीवाई के अंतर्गत किया गया है।

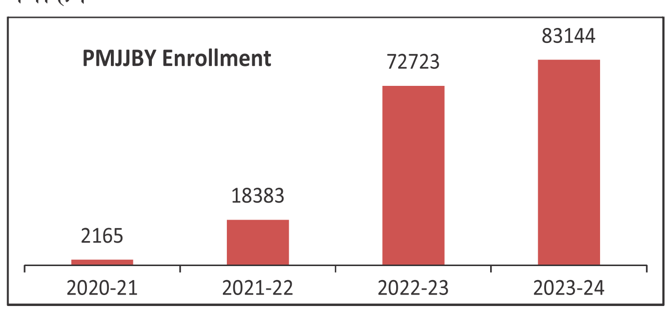


## प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

दिनांक 31.03.2024 तक बैंक द्वारा प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत कुल 492341 ग्राहकों को नामांकित किया गया है। संदर्भित वित्तीय वर्ष में 72 लाभार्थियों को रू. 1.44 करोड़ की बीमा दावा राशि का भुगतान पीएमएसबीवाई के अंतर्गत किया गया है।